भारत में जल संसाधन
विकास एवं नियोजन

डॉ. अनिल कुमार सिन्हा

Scanned with OKEN Scanner

© Anil Kumar Sinha 2020

All rights reserved

All rights reserved by author. No part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system or transmitted in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying, recording or otherwise, without the prior permission of the author.

Although every precaution has been taken to verify the accuracy of the information contained herein, the author and publisher assume no responsibility for any errors or omissions. No liability is assumed for damages that may result from the use of information contained within.

First Published in August 2020

ISBN: 978-93-90380-07-7

BLUEROSE PUBLISHERS

www.bluerosepublishers.com

info@bluerosepublishers.com

+91 8882 898 898

Cover Design:

Jasleen Ashta

Typographic Design:

Saurabh Yadav

Distributed by: BlueRose, Amazon, Flipkart, Shopclues

Scanned with OKEN Scanner

विषय–सूची

भारत का भौतिक स्वरूप 1

भारत के जल संसाधन स्त्रोत 53

भारत में जल संसाधन उपयोग 87

जल संसाधन–बांध परियोजनाएँ 128

राष्ट्रीय जल नीति एवँ क्रियान्वयन 145

जल संबंधी समस्याएँ 191

जल संसाधन संरक्षण एवँ प्रबंधन 222

सुदूर संवेदन एवं भौगोलिक सूचना तंत्र प्रणाली द्वारा जल संसाधनों का प्रबंधन 269

संदर्भ ग्रन्थ सूची 285

Scanned with OKEN Scanner

जल हमारे ग्रह पृथ्वी पर एक आवश्यक संसाधन है। इसके बगैर जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। तेजी से बढ़ती जनसंख्या, बढता औद्योगिकीकरण और शहरीकरण के साथ ग्लोबल वार्मिंग से उत्पन्न जलवायु बदलाव जल संकट के लिए जिम्मेदार है। स्वच्छ पेयजल की बढ़ती मांग के साथ इसकी स्थानिक एवं कालिक उपलब्धता जल संकट के प्रमुख कारकों में है। विश्व सहित भारत मे जल संकट का सामाजिक-आर्थिक एवं पर्यावरणीय प्रभाव सामने आ रहा है।

भविष्य मे भारत के समक्ष जल स्रोतों की सुरक्षा एवं संरक्षण, अंतर-क्षेत्रीय जल बंटवारे की उभरती चुनौती, शहरों और उद्योगों के लिए दूरस्थ क्षेत्रों से जल के विस्तारित बहाव पर बढ़ता द्वंद्व, नदियों की पारिस्थितिकी को शाश्वत बनाये रखना, नदी घाटी प्रबंधन, जल प्रदूषण पर नियंत्रण जैसी कुछ बडी चुनौतियां सामने होंगी। मानव विकास एवं आर्थिक विकास को बनाए रखने के लिए भारत को जल के आधारभूत ढांचे में राष्ट्रीय जलनीति २०१२ के अनुरुप निवेश करने एवं संस्थागत व नीतिगत सुधार करने की आवश्यकता होगी।

प्रस्तुत पुस्तक भारत में जल संसाधन विकास एवं नियोजन मे भारत मे जल उपलब्धता एवं समस्याओं के साथ-साथ जल प्रबंधन के विविध पक्षो को विश्लेषित किया गया है।

डॉ. अनिल कुमार सिन्हा, उच्च शिक्षा विभाग, छत्तीसगढ शासन मे भूगोल विषय के सह-प्राध्यापक हैं एवं वर्तमान मे प्रतिनियुक्ति पर संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय सरगुजा, अम्बिकापुर छ.ग. मे कोऑर्डिनेटर एन.एस.एस. के पद पर कार्यरत है। आपकी स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं मे ३० वर्षो के अध्यापन अनुभवों के साथ-साथ अनेक यू.जी.सी. की शोध परियोजनाओं, राष्ट्रीय सेमिनार व राष्ट्रीय कार्यशालाओं के संचालन का अनुभव है। आपके मार्गदर्शन मे ०५ छात्रों को पी-एच.डी.शोध उपाधि प्राप्त हो चुकी है। अब तक आपके २८ शोध आलेख अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय ज्यॉग्रफिकल जर्नल्स मे प्रकाशित हो चुके है।

INR-300/-

NON-FICTION

ISBN 978-93-90380-07-7

9 789390 380077

www.bluerosepublishers.com

BlueRose Publishers

Scanned with OKEN Scanner